PAPER-III
MAITHILI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

J A 0 1 8 1 7

Time : **2 ½** hours] [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **12**

Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
   (iv) The test booklet no. and OMR sheet no. should be same. In case of discrepancy in the number, the candidate should immediately report the matter to the invigilator for replacement of the test booklet / OMR Sheet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④
   where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet on conclusion of examination.
10. **Use only Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
   (iv) प्रश्न पुस्तिका नं. और OMR पत्रक नं. समान होने चाहिए । यदि नंबर भिन्न हों, तो परीक्षार्थी प्रश्न-पुस्तिका / OMR पत्रक बदलने के लिए निरीक्षक को तुरंत सूचित करें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है :
   उदाहरण : ① ② ● ④
   जबकि (3) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

मैथिली

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper contains **seventy five (75)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are compulsory.

नोट : एहिमे **पचहत्तरि (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न अछि । प्रत्येक प्रश्नक **दू (2)** अंक अछि । **सभ** प्रश्न अनिवार्य अछि ।

1. 'हर गौरी विवाह'क सम्पादन कएने छथि :

(1) रमानन्द झा 'रमण' (2) रामदेव झा

(3) राम भरोस कापड़ि 'भ्रमर' (4) परमेश्वर कापड़ि

2. शंकरदेव नाटककार छथि :

(1) मिथिलाक (2) नेपालक

(3) ओडिशाक (4) असमक

3. नाटक-युगसँ अभिहित होइछ :

(1) आदिकाल (2) मध्यकाल

(3) आधुनिक काल (4) अत्याधुनिक काल

4. 'कविवर' नामसँ विख्यात नाटककार छथि :

(1) आनन्द झा (2) तंत्रनाथ झा

(3) जीवन झा (4) ईशनाथ झा

5. 'लेटाइत आँचर' लिखने छथि :

(1) महेन्द्र मलंगिया (2) रोहिणी रमण झा

(3) प्रेमलता मिश्र 'प्रेम' (4) सुधांशु 'शेखर' चौधरी

6. साहित्य अकादेमीसँ प्रकाशित 'मैथिली एकांकी संग्रह'क सम्पादन कएने छथि :

(1) महेन्द्र मलंगिया (2) मुरारि मधुसूदन ठाकुर

(3) शरदिन्दु चौधरी (4) गजेन्द्र ठाकुर

7. निरीह बाछीकेँ सरकसिया घोड़ाक संग जोतबाक मार्मिक भावकेँ व्यक्त कएने छथि :

(1) योगानन्द झा (2) हरिमोहन झा

(3) नगेन्द्र कुमर (4) जनार्दन झा 'जनसीदन'

8. ‘बाबाक संस्कार’ कथाक प्रणेता छथि :

(1) मनमोहन झा (2) राजमोहन झा

(3) हरिमोहन झा (4) शैलेन्द्र मोहन झा

9. ‘जेसिका’ नायिका छथि :

(1) ‘नवतुरिआ’मे (2) ‘कन्यादान’मे

(3) ‘मधुश्रावणी’मे (4) ‘दू-पत्र’मे

10. ‘झुमकी’ लिखने छथि :

(1) आशा मिश्र (2) ब्रजकिशोर वर्मा ‘मणिपद्म’

(3) गौरी मिश्र (4) विभारानी

11. ‘माहुर’ कथाक लेखक छथि :

(1) धीरेन्द्र (2) अमरनाथ

(3) राजकमल (4) सोमदेव

12. मैथिली अकादमीसँ प्रकाशित उपन्यास अछि :

(1) दू-पत्र (2) पनिपत

(3) कृष्णसर्प (4) मरीचिका

13. ललितक कथा सर्वप्रथम प्रकाशित भेल :

(1) ‘मिथिला मिहिर’मे (2) ‘श्री मैथिली’मे

(3) ‘वैदेही’मे (4) ‘पल्लव’मे

14. ‘मिझाइत दीप’ कथा लिखने छथि :

(1) विश्वनाथ (2) अमरनाथ

(3) नीरजा रेणु (4) मायानन्द मिश्र

15. ‘त्रिकोण’ लिखने छथि :

(1) उमेश पासवान (2) रमानन्द रेणु

(3) शैलेन्द्र आनन्द (4) जटेश्वर झा ‘जटिल’

16. ‘नव घर उठय पुरान घर खसय’ अछि :

(1) कथा-संग्रह (2) उपन्यास

(3) नाटक (4) संस्मरण

17. सुभाष चन्द्र यादवक कथा-संग्रह थिक :

(1) अतीत (2) विडम्बना

(3) अश्रुकण (4) बनैत बिगड़ैत

18. ‘मैथिली काव्यमे ज्योतिष’ लिखने छथि :

(1) नरेश मोहन झा (2) रमण झा

(3) अमरनाथ झा (4) वीरेन्द्र झा

19. ‘मैथिली साहित्य-पत्र’क सम्पादन कएने छथि :

(1) मुरलीधर झा (2) भोलालाल दास

(3) रमानाथ झा (4) मुकुन्द झा ‘बख्शी’

20. ‘मैथिली नाटक ओ रंगमंच’ लिखने छथि :

(1) राम नरेश सिंह (2) अशोक ‘अविचल’

(3) कुलानन्द झा (4) प्रेमशंकर सिंह

21. ‘भाषणप्रयी’क सम्पादन कएने छथि :

(1) जयधारी सिंह ‘प्रभाकर’ (2) देवेन्द्र झा

(3) राजनन्दन लाल दास (4) धीरेन्द्र नाथ मिश्र

22. ‘बलचनमा : पृष्ठभूमि ओ प्रस्थान’ लिखने छथि :

(1) नवीन चौधरी (2) देवनारायण साह

(3) मोहन भारद्वाज (4) वीरेन्द्र मल्लिक

23. ‘वर्णरत्नाकर’ विभाजित अछि :

(1) ‘सर्ग’मे (2) ‘जवनिका’मे

(3) ‘पल्लव’मे (4) ‘कल्लोल’मे

24. ‘चन्द्रग्रहण’ लिखने छथि :

(1) परमेश्वर झा (2) काञ्चीनाथ झा ‘किरण’

(3) नगेन्द्र कुमर (4) जीतेन्द्र नारायण झा ‘कश्यप’

25. सुभद्र झापर विनिबन्ध लिखने छथि :

(1) श्रीकृष्ण मिश्र (2) नवीन चन्द्र मिश्र

(3) रामदेव झा (4) सुधाकान्त मिश्र

26. ‘मैथिली समाचार’क सम्पादक छलाह :

(1) जयकान्त मिश्र (2) भुवनेश्वर गुरमैता

(3) देवनारायण यादव (4) उदय नारायण सिंह ‘नचिकेता’

27. ‘ए सर्वे ऑफ मैथिली लिटरेचर’ लिखने छथि :

(1) बाल गोविन्द झा ‘व्यथित’ (2) राधाकृष्ण चौधरी

(3) त्रिलोक नाथ मिश्र (4) मंजर सुलैमान

28. ‘मेघातिथि’ छद्म नामसँ लिखैत छलाह :

(1) भीमनाथ झा (2) विद्यानाथ झा ‘विदित’

(3) सुधांशु ‘शेखर’ चौधरी (4) शैलेन्द्र मोहन झा

29. ‘तमस’ अनूदित कृति थिकनि :

(1) अमरेश पाठकक (2) इन्द्रकान्त झाक

(3) रमाकान्त मिश्रक (4) देवकान्त झाक

30. हैदराबादसँ प्रकाशित ‘देसिल वयना’ थिक :

(1) उपन्यास (2) स्मारिका

(3) नाटक (4) कथा-संग्रह

31. ‘मिथिला मिहिर’क ‘मिथिलांक’क सम्पादक छलाह :

(1) सुरेन्द्र झा ‘सुमन’ (2) रमानाथ झा

(3) जयदेव मिश्र (4) प्रबोध नारायण सिंह

32. ‘मिथिला दर्शन’क पुनर्प्रकाशन प्रारम्भ भेल :

(1) मुम्बइसँ (2) पटनासँ

(3) सुपौलसँ (4) कोलकातासँ

33. ‘कर्णामृत’क प्रकाशन स्थल थिक :

(1) दिल्ली (2) हैदराबाद

(3) कोलकाता (4) धनबाद

34. ‘मर्शिया’ थिक :

(1) भक्ति गीत (2) शोक गीत

(3) प्रणय गीत (4) प्रशस्ति गीत

35. ‘झिझिया’ थिक :

(1) लोकगीत (2) लोकगाथा

(3) लोक नाट्य (4) लोक नृत्य

36. ‘जय राजा सलहेस’ लिखने छथि :

(1) रामदेव झा (2) ताराकान्त मिश्र

(3) मतिनाथ मिश्र (4) महेन्द्र नारायण राम

37. ‘लोकगाथा विवेचन’ लिखने छथि :

(1) विश्वेश्वर मिश्र (2) राजेश्वर झा

(3) योगानन्द झा (4) लालपरी देवी

38. “आजु नाथ एक व्रत महासुख लागत हे” ई पद्य थिक :

(1) शिव विषयक (2) विष्णु विषयक

(3) व्यवहार विषयक (4) पूर्वराग विषयक

39. “थिर रह रे दशभाल काल हम तोहर अयलहुँ” पंक्ति थिक :

(1) ‘रमेश्वर चरित मिथिला रामायण’क (2) ‘राम सुयश सागर’क

(3) ‘मिथिला भाषा रामायण’क (4) ‘सीतायन’क

40. रावण-अंगद संवाद 'मिथिला भाषा रामायण'मे वर्णित अछि :

(1) अरण्य काण्डमे (2) किष्किन्धा काण्डमे

(3) सुन्दर काण्डमे (4) लंका काण्डमे

41. 'सूक्ति सुधा' लिखने छथि :

(1) विद्यापति (2) मुरलीधर झा

(3) चन्दा झा (4) रघुनन्दन दास

42. "न्यायक भवन कचहरी नाम" चन्दा झाक ई पद्यांश अछि :

(1) नाटकमे (2) गद्यमे

(3) मुक्तकमे (4) रामायणमे

43. 'चन्द्र रचनावली'क सम्पादक छथि :

(1) विश्वेश्वर मिश्र (2) परमेश्वर झा

(3) जयकान्त मिश्र (4) भोलालाल दास

44. 'मिथिला भाषा रामायण'मे अहल्योद्धारक वृत्तांत अछि :

(1) बाल काण्डमे (2) अयोध्या काण्डमे

(3) अरण्य काण्डमे (4) किष्किन्धा काण्डमे

45. 'हेरितहि हृदय हनय पचवाने' ई वर्णन अछि :

(1) मानिनीक (2) सद्य:स्नाताक

(3) अभिसारिकाक (4) वासकसज्जाक

46. 'कीर्ति पताका'क भाषा थिक :

(1) संस्कृत (2) प्राकृत

(3) पालि (4) अवहट्ठ

47. नीति विषयक ग्रंथ अछि :

(1) भू-परिक्रमा (2) विभागसार

(3) पुरुष-परीक्षा (4) मणि-मंजरी

48. विद्यापति स्वप्नमे देखलनि :

(1) शिवसिंहकेँ (2) देवसिंहकेँ

(3) वीरसिंहकेँ (4) कीर्त्तिसिंहकेँ

49. "नव जलधर तर _____ रे, जनु बिजुरी रेह" एतय रिक्त स्थानमे होएत :

(1) गोचर (2) चमकए

(3) संचर (4) दमकए

50. विद्यापतिक परवर्त्ती थिकाह :

(1) जयदेव (2) गोविन्ददास

(3) राजशेखर (4) ज्योतिरीश्वर

51. 'मिथिला भाषा रामायण'मे वन-गमनक वर्णन अछि :

(1) बाल काण्डमे (2) अयोध्या काण्डमे

(3) अरण्य काण्डमे (4) किष्किन्धा काण्डमे

52. "प्रपूर्ण शत तडाग की सुधा समान वारिसँ विचित्र पद्मिनी बनी विहंग वारि चारिसँ" सहिमे वर्णन अछि :

(1) मिथिलाक (2) अयोध्याक

(3) किष्किन्धाक (4) लंकाक

53. 'जानकी परिणय' लिखने छथि :

(1) वैद्यनाथ मल्लिक 'विधु' (2) सीताराम झा

(3) लालदास (4) चन्दा झा

54. राजा तुर्वसुक सन्तान छथि :

(1) चन्द्रगुप्त (2) सुभद्रा

(3) एकावली (4) एकवीर

55. सीताराम झाक कृति अछि :

(1) शकुन्तला (2) अम्बचरित

(3) कादम्बरी (4) सुभद्रा हरण

56. 'चाणक्य' महाकाव्यक भूमिका लिखने छथि :

(1) चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर' (2) सुरेन्द्र झा 'सुमन'

(3) भीमनाथ झा (4) सुरेश्वर झा

57. संदीपनि मुनिक आश्रमक वर्णन अछि :

(1) 'पराशर'मे (2) 'कीचक बध'मे

(3) 'कृष्णचरित'मे (4) 'व्यथा'मे

58. "ने सुनने अछि कथा एतए जे पड़ल अकालो" ई वर्णन अछि :

(1) हस्तिनापुरक (2) इन्द्रप्रस्थक

(3) जनकपुरक (4) मत्स्य जनपदक

59. शकुन्तला प्रेम-विवाह कएलनि :

(1) चन्द्रपालसँ (2) दुष्यन्तसँ

(3) ययातिसँ (4) नहुषसँ

60. "नहि करू विलम्ब चलु शीघ्र,
तीव्र पद संचालन" – ई उक्ति अछि :

(1) अगस्त्यक (2) इन्द्रक

(3) नहुषक (4) त्रिशंकुक

61. केदारनाथ लाभ विरचित खण्डकाव्य अछि :

(1) भारती (2) अहिरावण वध

(3) उत्सर्ग (4) शकुन्तला

62. 'कविता धन'मे कविता संगृहीत अछि :

(1) उदयचन्द्र झा 'विनोद'क (2) भीमनाथ झाक

(3) शशिनाथ झाक (4) महिनाथ झाक

63. "शंखिनी संग टा तँ संहारे बुझू" कहने छथि :

(1) राम चरित्र पाण्डेय 'अणि' (2) भवनाथ झा 'दीपक'

(3) मतिनाथ मिश्र (4) सीताराम झा

64. ‘शतदल’ लिखने छथि :

(1) जनक (2) यात्री

(3) मधुप (4) भङेर

65. प्राचीनता आ नवीनताक संधि-स्थल पर ढाढ़ कहल गेल छथि :

(1) काञ्चीनाथ झा ‘किरण’ (2) सुरेन्द्र झा ‘सुमन’

(3) जयनारायण झा ‘विनीत’ (4) ब्रजकिशोर वर्मा ‘मणिपद्म’

66. “उठह कवि दहक तौं ललकारा कने गिरि शिखर पर पथिक दल चढ़तैक रे” – कहने छथि :

(1) किसुन (2) भुवन

(3) राजकमल (4) यात्री

67. आरसी प्रसाद सिंह छलाह :

(1) बल्लीपुरक (2) करिथनक

(3) एरौतक (4) मुजौनाक

68. “आँखिक आन्हर वीक्षक चाही ।

परम उदार परीक्षक चाही” ई लिखने छथि :

(1) फूल चन्द्र झा ‘प्रवीण’ (2) चन्द्रनाथ मिश्र ‘अमर’

(3) हरिश्चन्द्र ‘हरित’ (4) जय प्रकाश चौधरी ‘जनक’

69. जीवकान्तकेँ ‘घसल अठन्नी खसलै वनमे’ पर भेटल छनि :

(1) बाल पुरस्कार (2) अनुवाद पुरस्कार

(3) युवा पुरस्कार (4) विद्यापति पुरस्कार

70. ‘भाव भूमि रसवंत’ अभिनन्दन ग्रंथ थिक :

(1) जगन्नाथ झाक (2) उमारमण झाक

(3) भीमनाथ झाक (4) आनन्द मिश्रक

निर्देश : निम्नलिखित गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि ओहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावली (प्रश्न संख्या **71** सँ **75**) क उत्तरक हेतु देल गेल बहुविकल्पसँ सही विकल्पक चयन करू :

काव्यमे जे रागात्मक अनुभूतिक दर्शन होइत अछि तकर पूर्ति उपन्यासमे अनुभवजन्य वास्तविकता सँ होइत अछि । उपन्यास कल्पनासँ रस ग्रहण करैत अछि, अनुभवसँ उपादान तथा स्वकीय दृष्टिकोणक प्रयोगसँ ओकरा अन्तर्मुखी बनबैत अछि । उपन्यासकार पात्रक अन्तस्थलमे प्रवेश कए ओकर संकल्प-विकल्पक लेखा-जोखा करैत छथि । उपन्यासमे मात्र जीवन, मरण, विवाह आदि घटनाक पंजीयन नहि कएल गेल रहैत अछि प्रत्युत एहिमे उपन्यासकार संसारक रहस्यमय संगीत दिस सेहो ध्यान रखैत छथि । उपन्यास इतिहाससँ एहि दृष्टिएँ भिन्न अछि । इतिहास अदृश उपन्यासमे केवल बदलैत शासक लोकनिक कीर्तिगाथा, धार्मिक विकास एवं ह्रास कथा, विजयी राजनेताक तूर्यनादक वर्णन आदिए नहि रहैत अछि प्रत्युत सम्बद्ध समाजक सामान्य जीवनक चेतनाक विधिवत् वर्णन, सूक्ष्म स्तर पर, भावनाक धरातल पर, मानवीय सम्बन्धक सामाजिक एवं अर्थिक धरातल पर बनैत विगड़ैत दृश्यक वर्णन रहैत अछि । उपन्यास केवल रोमांटिक गद्य नहि थीक, ई मानव जीवनक गद्य थीक-एहन पहिल कला जे मनुष्यकेँ सम्पूर्णतामे लय ओकरा अभिव्यक्ति दैत अछि । ई.एम. फास्टरक मतेँ पैघ लक्षण जे उपन्यासकेँ अन्य कला सभसँ फराक करैत अछि ओ थीकजे एकरामे गुप्त जीवनक प्रत्यक्ष करबाक शक्ति छैक । ओ तेँ ई कलाक अन्य रूप तथा पद्य, नाटक, सिनेमा, चित्रकला एवं संगीतसँ एकरा पृथक् करैत अछि ।

उपन्यासमे कल्पनाक अधार पर मानव जीवनक यथावत् चित्रण कथानकक रूपमे रहैत अछि । कथानकतेँ एकर मुख्य अंग भेल किन्तु घटना कोनो व्यक्तिक जीवनमे घटित होएतैक, परिस्थिति विशेषमे, तेँ कथानकक संग-संग चरित्र ओ तेँ एकर मुख्य अंग भेल किन्तु घटना कोनो व्यक्तिक जीवनमे घटित होएतैक, परिस्थिति विशेषमे, तेँ कथानकक संग-संग चरित्र ओ वातावरणक सृष्टि ओहिमे होबे करतैक । कतबो यथावत् चित्रण रहौक किन्तु आधार जेँ छैक एकर कल्पना तेँ लेखकक अपना विचारधारा, भावना किम्बा अनुभूति कथानककेँ रंजित करैत रहतैक । चित्रणकलाक भेदसँ कथा कहबोमे भेद होइत छैक ओ माध्यम छैक एकर भाषा तेँ इहो सब ओकर आवश्यक अंगमे परिगणित होइत छैक । एवं प्रकारेँ कलाकक दृष्टिएँ उपन्यासक उपादान कथानकक चरित्र, वातावरण, कथोपकथन, भाषा शैली एवं लेखक दृष्टिकोण आदि सभ स्वीकार करैत अछि ।

71. उपन्यास रस ग्रहण करैत अछि :
(1) परम्परासँ (2) कल्पनासँ
(3) यथार्थसँ (4) अनुभूतिसँ

72. उपन्यासकार पात्रक अन्तस्थलमे प्रवेश कए लेखा-जोखा करैत छथि :
(1) संकल्प-विकल्पक (2) भाव-अनुभावक
(3) राग-विरागक (4) गुण-दोषक

73. उपन्यासमे मानव जीवनक यथावत चित्रण रहैत अछि :
(1) संवादक रूपमे (2) घटनाक्रमक रूपमे
(3) परिवेशक रूपमे (4) कथानकक रूपमे

74. चित्रण कलाक भेदसँ, भेद होइत अछि :
(1) कथा सुनबामे (2) कविता पढ़बामे
(3) कथा कहबामे (4) नाटक देखबामे

75. लेखकक विचारधारा रंजित करैत रहतैक :
(1) विषयवस्तुकेँ (2) कथानककेँ
(3) संवादकेँ (4) शिल्पकेँ

Space For Rough Work